

MARKING SCHEME

CLASS 11TH

BANKING FINANCE SERVICES & INSURANCE

Q.NO	ANSWERS	M A R K S
1	c) Both a) and b) सी) दोनों ए) और बी)	
2	b) two or more persons बी) दो या दो से अधिक व्यक्ति	
3	d) All above डी) उपरोक्त सभी	1
4	d) Cntrl+V d) Cntrl+V	1
5	(c) Casual shirt and jeans (सी) आकस्मिक शर्ट और जींस	1
6	d)None of these correct d) इनमें से कोई भी सही नहीं है	1
7	AUTOMETIC TELLER MACHINE स्वचालित बोलने वाला यंत्र	
8	CUSTOMER INFORMATION SYSTEM ग्राहक सूचना प्रणाली	1
9	PETROL , DIESEL पेट्रोल, डीजल	1
10	EMI ईएमआई	1
11	DIFFERENT अलग	1
12	FALSE असत्य	1
13	GIM:-Green India Mission	1
14	ANY WEAKNESS	1
15	3 MONTHS	1
16	Business Facilitators acts as agents. They are representatives to their banks and provide banking services in remote locations where the bank do not have any branches and also to promote financial inclusion. बिजनेस फैसिलिटेटर एजेंट के रूप में कार्य करते हैं। वे अपने बैंकों के प्रतिनिधि हैं और दूरस्थ स्थानों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं जहां बैंक की कोई शाखा नहीं है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए भी।	2
17	. Customer Relationship Management is obtained by CIS only. CIS contains all customers' related data regarding their premises, addresses, determinants of income .. ग्राहक संबंध प्रबंधन केवल CIS द्वारा	2

	प्राप्त किया जाता है। CIS में ग्राहकों के परिसर, पते, आय के निर्धारकों से संबंधित सभी डेटा शामिल हैं।	
18	<p>Preliminary information means basic information of the customer to open account in bank which comes before any other information. Preliminary information means information needs at early stages</p> <p>प्रारंभिक सूचना का अर्थ है बैंक में खाता खोलने के लिए ग्राहक की मूलभूत जानकारी जो किसी अन्य जानकारी से पहले आती है। प्रारंभिक सूचना का अर्थ है प्रारंभिक अवस्था में सूचना की आवश्यकता</p>	2
19	<p>Referral means when a business correspondent directs by customer to other person or place for getting more information, help or any other kind of action. Referral inquiry is very important for customer information</p> <p>रेफरल का अर्थ है जब कोई व्यावसायिक प्रतिनिधि ग्राहक द्वारा किसी अन्य व्यक्ति या स्थान को अधिक जानकारी, सहायता या किसी अन्य प्रकार की कार्रवाई के लिए निर्देशित करता है। ग्राहक की जानकारी के लिए रेफरल पूछताछ बहुत महत्वपूर्ण है</p> <p>OR</p> <p>ANY TWO ADVANTAGES</p> <p>Getting Accurate Information</p> <p>Increase the Closing Rate</p> <p>Increase the Sale</p> <p>Reduce the default customers:</p> <p>Reduce the default customers:.. कोई दो लाभ</p> <p>सटीक जानकारी प्राप्त करना</p> <p>समापन दर बढ़ाएँ</p> <p>बिक्री बढ़ाएँ</p> <p>डिफॉल्ट ग्राहकों को कम करें:</p> <p>डिफॉल्ट ग्राहकों को कम करें</p>	2
20		2
21	<p>WRITE ANY OF Qualities Entrepreneur?</p> <p><i>:-Risk taking, Financing. Marketing activities, Idea generation, Organizing दो कार्यों में से कोई एक लिखें:- जोखिम लेना, वित्त पोषण/ विपणन गतिविधियाँ, विचार निर्माण, आयोजन</i></p>	2
22	<p>The Reserve Bank of India (RBI) is India's central bank. It controls the issue and supply of the Indian rupee. RBI is the supervisory body of entire Banking System in India. The RBI is single and supreme body in monetary and banking authority in India.</p> <p>FUNCTIONS OF RBI</p> <p>Issuer of currency:</p> <p>Banker to Government:</p> <p>Banker to other banks</p> <p>Controller of currency Supply and Credit: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) भारत का केंद्रीय बैंक है। यह भारतीय रुपये के मुद्दे और आपूर्ति को नियंत्रित करता है। RBI भारत में संपूर्ण बैंकिंग प्रणाली का पर्यवेक्षी निकाय है। RBI भारत में मौद्रिक और बैंकिंग प्राधिकरण में एकल और सर्वोच्च निकाय है।</p> <p>आरबीआई के कार्य</p> <p>मुद्रा जारीकर्ता:</p>	3

	सरकार को बैंकर: अन्य बैंकों के बैंकर मुद्रा आपूर्ति और ऋण नियंत्रक:	
23	<p>ANY THREE FUNCTIONS</p> <p>1. Identifying prospective customers for the bank. 2. Engage in generating awareness among customers. 3. Provide information about the saving options and other products of bank. 4. Educating and advising customers on managing money, 5. Do loan counselling as well as recommending small loans to target customers</p> <p>कोई तीन कार्य 1. बैंक के लिए संभावित ग्राहकों की पहचान करना। 2. ग्राहकों के बीच जागरूकता पैदा करने में संलग्न हों। 3. बैंक के बचत विकल्पों और अन्य उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करें। 4. पैसे के प्रबंधन पर ग्राहकों को शिक्षित और सलाह देना, 5. ग्राहकों को लक्षित करने के लिए छोटे ऋणों की सिफारिश करने के साथ-साथ ऋण परामर्श देना</p>	3
24	<p>Segment the Customers</p> <p>Village ,Rural Remote ,HOUSEWIVES AND FARMERS ग्राहकों को विभाजित करें</p> <p>गांव, ग्रामीण दूरस्थ, गृहिणियां और किसान</p>	3
25	<p>Application Procedure: There are different type accounts maintained in the banks. For different type accounts customers require different application forms. We can also open our account on line. But some banks still require signed document to open an account. Until they receive the documents, our account is not active. Therefore, it is required by business correspondent to explain each and every aspect of opening account in the bank. If we open savings account in the bank, we need to deposit some amount into account. We can deposit funds into bank by several ways for example cash deposit, cheques or electronically funds transfer.</p> <p>:- आवेदन प्रक्रिया: बैंकों में विभिन्न प्रकार के खाते बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के खातों के लिए ग्राहकों को विभिन्न आवेदन प्रपत्रों की आवश्यकता होती है। हम अपना खाता ऑनलाइन भी खोल सकते हैं। लेकिन कुछ बैंकों को अभी भी खाता खोलने के लिए हस्ताक्षरित दस्तावेज़ की आवश्यकता होती है। जब तक वे दस्तावेज़ प्राप्त नहीं करते, हमारा खाता सक्रिय नहीं है। इसलिए, व्यवसाय संवाददाता द्वारा बैंक में खाता खोलने के प्रत्येक पहलू की व्याख्या करना आवश्यक है। यदि हम बैंक में बचत खाता खोलते हैं, तो हमें खाते में कुछ राशि जमा करनी होती है। हम कई तरीकों से बैंक में धनराशि जमा कर सकते हैं, उदाहरण के लिए नकद जमा, चेक या इलेक्ट्रॉनिक रूप से धन हस्तांतरण।</p> <p>:- OR</p>	3
26	<p>TYPES OF FORMS There are 4 different types of forms that customer will find in the bank. These are as follows;</p> <ul style="list-style-type: none"> • Cheque depositing forms – When customer needs to submit any cheque or deposit money. • Withdrawal forms – When customer needs to withdraw money. 	3

continued pretty much the same as before. In 1969, the Government of India decided to nationalise the banks under the Banking Regulation Act, 1949. A total of 14 banks were nationalised, including the Reserve Bank of India (RBI).

In 1975, the Government of India recognised that several groups were financially excluded. Between 1982 and 1990, it created banking institutions with specialised functions in line with the evolution of financial services in India.

NABARD (1982) – to support agricultural activities

EXIM (1982) – to promote export and import

National Housing Board – to finance housing projects

SIDBI – to fund small-scale industries 2marks

Phase 3: The LPG Era (1991 Till Date)

From 1991 onwards, there was a sea change in the Indian economy.

The government invited private investors to invest in India. Ten private banks were approved by the RBI. A few prominent names which exist even today from this liberalisation are HDFC, Axis Bank, ICICI, DCB and IndusInd Bank.

In the early to mid-2000s, two other banks, Kotak Mahindra Bank (2001) and Yes Bank (2004), received their licenses. IDFC and Bandhan banks were also given licenses in 2013-14.

Other notable changes and developments during this era were:

1marks

Foreign banks like Citibank, HSBC and Bank of America set up branches in India.

The nationalisation of banks came to a standstill.

RBI and the government treated public and private sector banks equally.

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में वाणिज्यिक बैंक शामिल हैं, जो सार्वजनिक अनुसूचित या गैर-अनुसूचित, निजी, क्षेत्रीय, ग्रामीण और सहकारी बैंक हो सकते हैं। भारत में बैंकिंग प्रणाली 1949 के बैंकिंग कंपनी अधिनियम के माध्यम से बैंकिंग को परिभाषित करती है।

इस पोस्ट में, हम भारत में बैंकों के विकास, विभिन्न श्रेणियों और राष्ट्रीयकृत बैंकों के प्रभाव पर एक नज़र डालते हैं।

चरण 1: स्वतंत्रता-पूर्व चरण

आजादी से पहले भारत में लगभग 600 बैंक मौजूद थे। बैंक ऑफ हिंदुस्तान के रूप में स्थापित होने वाला पहला बैंक 1770 में कलकत्ता में स्थापित किया गया था। यह 1832 में बंद हो गया। अवध कमर्शियल बैंक भारत में बैंकिंग के विकास के इतिहास में भारत का पहला वाणिज्यिक बैंक था।

19वीं शताब्दी में स्थापित कुछ अन्य बैंक, जैसे इलाहाबाद बैंक (स्था. 1865) और पंजाब नेशनल बैंक (स्था. 1894), समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और आज भी मौजूद हैं। कुछ अन्य बैंक जैसे बैंक ऑफ बंगाल, बैंक ऑफ मद्रास, और बैंक ऑफ बॉम्बे - की स्थापना 1800 के दशक के मध्य में हुई थी - एक के रूप में विलय कर इम्पीरियल बैंक बन गया, जो बाद में भारतीय स्टेट बैंक बन गया।

चरण 2: स्वतंत्रता के बाद का चरण

आजादी के बाद, भारत में बैंकिंग प्रणाली का विकास लगभग पहले की तरह ही जारी रहा। 1969 में, भारत सरकार ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत बैंकों का

राष्ट्रीयकरण करने का निर्णय लिया। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) सहित कुल 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया।

1975 में, भारत सरकार ने माना कि कई समूहों को वित्तीय रूप से बाहर रखा गया था। 1982 और 1990 के बीच, इसने भारत में वित्तीय सेवाओं के विकास के अनुरूप विशेष कार्यों के साथ बैंकिंग संस्थान बनाए।

नाबार्ड (1982) - कृषि गतिविधियों का समर्थन करने के लिए

EXIM (1982) - निर्यात और आयात को बढ़ावा देने के लिए

राष्ट्रीय आवास बोर्ड - आवास परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए

SIDBI - लघु उद्योगों को वित्तपोषित करने के लिए

चरण 3: एलपीजी युग (1991 से अब तक)

1991 के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन आया। सरकार ने निजी निवेशकों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया। आरबीआई द्वारा दस निजी बैंकों को मंजूरी दी गई थी। इस उदारीकरण से कुछ प्रमुख नाम जो आज भी मौजूद हैं, वे हैं एचडीएफसी, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई, डीसीबी और इंडसइंड बैंक।

2000 के दशक की शुरुआत में, दो अन्य बैंकों, कोटक महिंद्रा बैंक (2001) और यस बैंक (2004) ने अपने लाइसेंस प्राप्त किए। आईडीएफसी और बंधन बैंकों को भी 2013-14 में लाइसेंस दिए गए थे।

इस युग के दौरान अन्य उल्लेखनीय परिवर्तन और विकास थे:

सिटी बैंक, एचएसबीसी और बैंक ऑफ अमेरिका जैसे विदेशी बैंकों ने भारत में शाखाएं खोलीं।

बैंकों का राष्ट्रीयकरण ठप हो गया।

आरबीआई और सरकार ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के साथ समान व्यवहार किया।

Or

RECENT TRENDS IN BANKING All the banking services were provided across the counter manually by the bank's staff up to certain Period. In the recent years with the development of information technology, in order to handle increasing volume of business, all the banks are now using technology in a big way and providing many services round the clock. Universal Banking: Universal bank involve in many types of banking activities in commercial bank and investment bank and providing other financial services like insurance. They are also known as full-service financial institutions. A universal bank, logically, offers universal banking. Universal banking is one kind of financial service that combines the aspects of investment, retail, and wholesale banking. Electronic banking: All banking services and transactions performed through electronic means. In electronic banking, funds transferred through a swap of electronic signals through exchange of cash, cheques, or other paper documents. Transfers of funds take place between financial institution and credit unions. Various forms of E-Banking a. Electronic Payment Services (E-Cheques) e-cheque is replacing conventional paper cheque. In India, introduction of e-cheque done with the Negotiable Instrumentsn Act. The Act already amended which include; Truncated cheque and Echequ instruments. b. Real Time Gross Settlement (RTGS) In India RTGS system was introduced since March 2004. It is a system in which banks give electronic commands to transfer funds from one

account to another bank account. RTGS system maintain and operate by RBI and provides faster funds transfer. Bank transfer funds on 'Real Time' basis. Therefore, fund reach to beneficiary immediately and the beneficiary's bank has the liability to credit the beneficiary's account within two hours. c. Electronic Clearing Service (ECS) Electronic Clearing facility is a type of retail payment structure. ECS can be used to make Lump sum payments. This facility is designed for companies and government departments to make and receive large volumes of payments not for the funds transfers by individuals d. Automatic Teller Machine (ATM) ATM is the most accepted and well known devise in India. It facilitates customers to withdraw money 24 hours X 7 days in a week. ATM card holder can use ATM. There are many other work which can be done with the help of ATM. These are payment of bills, transfer of money, deposit cash into account balance enquiry etc. An ATM is an automated machine that allows the customer to perform financial transactions. e. Point of Sale Terminal (PoS Terminal) PoS Terminal is computer based mechanism that is linked through online to computerized information files of customer in a bank. It has magnetically encoded plastic card that can identifies customer transaction to computer. During transactions, customer account debited and the retailer's account credited with the help of computer for amount of purchase. f. Tele Banking

बैंकिंग में हालिया रुझान बैंक के कर्मचारियों द्वारा निश्चित अवधि तक सभी बैंकिंग सेवाएं काउंटर पर मैन्युअल रूप से प्रदान की गईं। हाल के वर्षों में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, व्यापार की बढ़ती मात्रा को संभालने के लिए, सभी बैंक अब प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं और चौबीसों घंटे कई सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। यूनिवर्सल बैंकिंग: यूनिवर्सल बैंक वाणिज्यिक बैंक और निवेश बैंक में कई प्रकार की बैंकिंग गतिविधियों में शामिल होता है और बीमा जैसी अन्य वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है। उन्हें पूर्ण-सेवा वित्तीय संस्थानों के रूप में भी जाना जाता है। एक सार्वभौमिक बैंक, तार्किक रूप से, सार्वभौमिक बैंकिंग प्रदान करता है। यूनिवर्सल बैंकिंग एक प्रकार की वित्तीय सेवा है जो निवेश, खुदरा और थोक बैंकिंग के पहलुओं को जोड़ती है। इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग: सभी बैंकिंग सेवाएं और लेनदेन इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किए जाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग में, नकदी, चेक या अन्य कागजी दस्तावेजों के आदान-प्रदान के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक संकेतों की अदला-बदली के माध्यम से धन हस्तांतरित किया जाता है। धन का हस्तांतरण वित्तीय संस्थान और क्रेडिट यूनियनों के बीच होता है। ई-बैंकिंग के विभिन्न रूप a. इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सेवा (ई-चेक) ई-चेक पारंपरिक पेपर चेक की जगह ले रहा है। भारत में नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के साथ किए गए ई-चेक की शुरुआत। अधिनियम में पहले ही संशोधन किया जा चुका है जिसमें शामिल हैं; ट्रेकेटेड चेक और ई चेक इंस्ट्रूमेंट्स। बी। रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) भारत में RTGS प्रणाली मार्च 2004 से शुरू की गई थी। यह एक ऐसी प्रणाली है जिसमें बैंक एक खाते से दूसरे बैंक खाते में धनराशि स्थानांतरित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक कमांड देते हैं। आरटीजीएस प्रणाली आरबीआई द्वारा रखरखाव और संचालन करती है और तेजी से धन हस्तांतरण

	<p>प्रदान करती है। बैंक 'रीयल टाइम' आधार पर फंड ट्रांसफर करता है। इसलिए, लाभार्थी के पास तुरंत पैसा पहुंचता है और लाभार्थी के बैंक का दायित्व होता है कि वह लाभार्थी के खाते को दो घंटे के भीतर क्रेडिट कर दे। सी। इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सुविधा एक प्रकार की खुदरा भुगतान संरचना है। ईसीएस का उपयोग एकमुश्त भुगतान करने के लिए किया जा सकता है। यह सुविधा कंपनियों और सरकारी विभागों के लिए बड़ी मात्रा में भुगतान करने और प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन की गई है, न कि व्यक्तियों द्वारा धन हस्तांतरण के लिए। स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) एटीएम भारत में सबसे स्वीकृत और प्रसिद्ध उपकरण है। यह ग्राहकों को सप्ताह में 24 घंटे X 7 दिन पैसे निकालने की सुविधा देता है। एटीएम कार्ड धारक एटीएम का उपयोग कर सकता है। और भी कई काम हैं जो एटीएम की मदद से किए जा सकते हैं। ये बिलों का भुगतान, धन का हस्तांतरण, खाते में शेष राशि की पृष्ठताछ आदि में नकदी जमा करना आदि हैं। एटीएम एक स्वचालित मशीन है जो ग्राहक को वित्तीय लेनदेन करने की अनुमति देती है। इ। पॉइंट ऑफ़ सेल टर्मिनल (PoS Terminal) PoS Terminal कंप्यूटर आधारित तंत्र है जो ऑनलाइन के माध्यम से बैंक में ग्राहक की कम्प्यूटरीकृत सूचना फ़ाइलों से जुड़ा होता है। इसमें चुंबकीय रूप से एन्कोडेड प्लास्टिक कार्ड है जो कंप्यूटर पर ग्राहक लेनदेन की पहचान कर सकता है। लेन-देन के दौरान खरीद की राशि के लिए कंप्यूटर की सहायता से ग्राहक के खाते से डेबिट और खुदरा विक्रेता के खाते से राशि जमा की जाती है। एफ। टेली बैंकिंग</p>	
29	<p>Types of Bank Customers Individuals: A person, who wants to open an account in bank individually, is called individual account holder. An Individual can open bank account for his personal use. He/she can deposit and withdraw money as per banking rules. For open bank account, individual person has to submit his own documents before bank. It is an account opened by single person in his/her own capacity. Such type of accounts are maintained and operated upon only by the individual person, who has opened the account. This single person is the customer of the bank. Business Correspondent and Business Facilitator Joint Account: A joint account is an account which is opened by two or more than two persons jointly. Joint accounts are operated by joint account holders. In this account all account holders empower to withdraw and deposit money in the bank. Minors: Minor is a person who is not completing the age of 18 years as on date of opening an account. Minor can also opened account on his own name. There are two type accounts operated by minors first by the minor himself – self operated account and secondly guardian opens account for the minor. Blind Persons: A blind person can open bank account in bank. A blind person can be educated or uneducated, but there is no restrictions for these persons to open an account in bank. As blind persons cannot see, therefore, while opening account banks take extra precautions. Strictly KYC norms are applicable in case of blind person. As and when the blind person wants to do any transaction, he should be accompanied by a literate witness. The witness signs the relevant forms along with the blind</p>	

person. Senior Citizens: A "senior citizen" means any Indian person, who has attained the age of 60 years or above is called senior citizen. RBI has issued directions on 09.11.2017 to banks to provide special facilities to the disabled and elderly persons. Preferences are being given to senior citizen and the disabled persons by banks while dealing with them, like special counters have been opened for providing different services. Additional facilities are also provided to visually challenge customers. Banks are taking many steps to provide additional facilities to their elderly customers. Physically Challenged: If customer have lost their arms, toe impressions can be accepted for opening the accounts. After opening of the account if the customer accidently lost arms and the customer wants to withdraw money, he/she can visit the bank.

बैंक ग्राहकों के प्रकार

व्यक्ति: एक व्यक्ति, जो व्यक्तिगत रूप से बैंक में खाता खोलना चाहता है, उसे व्यक्तिगत खाताधारक कहा जाता है। एक व्यक्ति अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए बैंक खाता खोल सकता है। वह बैंकिंग नियमों के अनुसार पैसा जमा और निकाल सकता है। खुले बैंक खाते के लिए, प्रत्येक व्यक्ति को बैंक के समक्ष अपने स्वयं के दस्तावेज जमा करने होते हैं। यह एक व्यक्ति द्वारा अपनी क्षमता में खोला गया खाता है। इस प्रकार के खातों का रखरखाव और संचालन केवल उस व्यक्ति द्वारा किया जाता है, जिसने खाता खोला है। यह अकेला व्यक्ति बैंक का ग्राहक है। बिजनेस करिस्पोंडेंट एंड बिजनेस फैसिलिटेटर जॉइंट अकाउंट: जॉइंट अकाउंट एक ऐसा अकाउंट होता है, जो दो या दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा संयुक्त रूप से खोला जाता है। संयुक्त खाते संयुक्त खाताधारकों द्वारा संचालित किए जाते हैं। इस खाते में सभी खाताधारक बैंक में पैसा निकालने और जमा करने का अधिकार रखते हैं। अवयस्क: अवयस्क वह व्यक्ति है जो खाता खोलने की तिथि को 18 वर्ष की आयु पूरी नहीं कर रहा है। अवयस्क अपने नाम से भी खाता खुलवा सकता है। अवयस्क द्वारा दो प्रकार के खाते संचालित किए जाते हैं पहले अवयस्क द्वारा स्वयं संचालित खाता और दूसरा अभिभावक अवयस्क के लिए खाता खोलता है। नेत्रहीन व्यक्ति: दृष्टिहीन व्यक्ति बैंक में बैंक खाता खोल सकता है। एक नेत्रहीन व्यक्ति शिक्षित या अशिक्षित हो सकता है, लेकिन इन व्यक्तियों के लिए बैंक में खाता खोलने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। चूंकि नेत्रहीन व्यक्ति देख नहीं सकते इसलिए बैंक खाता खोलते समय अतिरिक्त सावधानी बरतते हैं। अंधे व्यक्ति के मामले में कड़ाई से केवाईसी मानदंड लागू होते हैं। अंधा व्यक्ति जब भी कोई लेन-देन करना चाहे तो उसके साथ एक साक्षर गवाह होना चाहिए। साक्षी नेत्रहीन व्यक्ति के साथ संबंधित प्रपत्रों पर हस्ताक्षर करता है। वरिष्ठ नागरिक: एक "वरिष्ठ नागरिक" का अर्थ है कोई भी भारतीय व्यक्ति, जिसने 60 वर्ष या उससे अधिक की आयु प्राप्त कर ली है, वरिष्ठ नागरिक कहलाता है। आरबीआई ने 09.11.2017 को बैंकों को विकलांग और बुजुर्ग व्यक्तियों को विशेष सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश जारी किए हैं। बैंकों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों एवं निःशक्तजनों से व्यवहार करते समय प्राथमिकता दी जा रही है, जैसे विभिन्न सेवाओं के लिए विशेष काउंटर खोले गये हैं। दृष्टिबाधित ग्राहकों को अतिरिक्त सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। बैंक अपने बुजुर्ग ग्राहकों को अतिरिक्त सुविधाएं देने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। शारीरिक रूप से विकलांग: यदि ग्राहक ने अपने हाथ खो दिए हैं, तो खाता खोलने के लिए पैर की अंगुली छापों को स्वीकार किया जा सकता है। खाता खोलने के बाद यदि ग्राहक के हाथ छूट जाते हैं और ग्राहक पैसा निकालना चाहता है, तो वह बैंक जा सकता है।

Or

Lunatic Persons: Persons who are unsound and unstable mind are

	<p>known as Lunatics. Lunatic persons cannot open bank account. Valid contract cannot be done by person of unsound mind. So, account in the name of person of unsound should not be opened by the bankers. If customer becomes lunatic after opened account in bank, bank suspends all operations of customer accounts after receiving information about customer "s lunacy.</p> <p>Blind Persons: A blind person can open bank account in bank. A blind person can be educated or uneducated, but there is no restrictions for these persons to open an account in bank. As blind persons cannot see, therefore, while opening account banks take extra precautions. Strictly KYC norms are applicable in case of blind person. As and when the blind person wants to do any transaction, he should be accompanied by a literate witness. The witness signs the relevant forms along with the blind person.</p> <p>पागल व्यक्ति: ऐसे व्यक्ति जिनका दिमाग अस्थिर और अस्थिर होता है, उन्हें पागल कहा जाता है। पागल व्यक्ति बैंक खाता नहीं खोल सकते। वैध अनुबंध विकृत मस्तिष्क के व्यक्ति द्वारा नहीं किया जा सकता है। अतः बैंकों द्वारा अस्वस्थ व्यक्ति के नाम से खाता नहीं खोला जाना चाहिए। यदि ग्राहक बैंक में खाता खोलने के बाद पागल हो जाता है, तो बैंक ग्राहक के पागलपन की जानकारी प्राप्त करने के बाद ग्राहक खातों के सभी कार्यों को निलंबित कर देता है।</p> <p>नेत्रहीन व्यक्ति: दृष्टिहीन व्यक्ति बैंक में बैंक खाता खोल सकता है। एक नेत्रहीन व्यक्ति शिक्षित या अशिक्षित हो सकता है, लेकिन इन व्यक्तियों के लिए बैंक में खाता खोलने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। चूंकि नेत्रहीन व्यक्ति देख नहीं सकते इसलिए बैंक खाता खोलते समय अतिरिक्त सावधानी बरतते हैं। अंधे व्यक्ति के मामले में कड़ाई से केवाईसी मानदंड लागू होते हैं। अंधा व्यक्ति जब भी कोई लेन-देन करना चाहे तो उसके साथ एक साक्षर गवाह होना चाहिए। साक्षी नेत्रहीन व्यक्ति के साथ संबंधित प्रपत्रों पर हस्ताक्षर करता है।</p>	
30	<p>Changes in Fees & Charges If we growth any of these expenses or introduce a brand new charge, it will likely be notified one month prior to the revised prices being levied / becoming powerful. Terms and Conditions Business Correspondent and Business Facilitator • We will propose the applicable terms and situations for the service 've got requested us to offer. • All phrases and conditions can be fair and could set out respective rights particularly with reference to nomination facility and liabilities and obligations in reality and as far as feasible in plain and simple language. Changes to Terms and Conditions o We will tell of charges to terms and situation through someone or greater of the following channels: • Account statements/ • Pass book • ATMs • Notice Board at each branch • Internet, together with e mail and internet site • Newspaper • SMS. o Normally, changes will be made with forthcoming effect giving notice of one month. o If we have made any modify without notice, we will report the change within 30 days. If such change is to shortcoming, may within 60 days and without notice, close account or switch it without having to pay any extra charges or interest. o We</p>	5

will immediately update on our website, any changes in the terms and conditions. o We will give , on request, a copy of new terms and conditions or a summing up of the changes

शुल्क और शुल्क में परिवर्तन यदि हम इनमें से किसी भी शुल्क में वृद्धि करते हैं या एक नया शुल्क पेश करते हैं, तो संशोधित कीमतों के लागू होने/प्रभावी होने से एक महीने पहले इसकी सूचना दी जाएगी। नियम और शर्तें व्यापार संवाददाता और व्यापार सुविधाकर्ता • हम उस सेवा के लिए लागू नियमों और शर्तों का प्रस्ताव देंगे, जिसके लिए उसने हमसे पेशकश करने का अनुरोध किया है। • सभी वाक्यांश और शर्तें निष्पक्ष हो सकती हैं और विशेष रूप से नामांकन सुविधा और देनदारियों और दायित्वों के संदर्भ में संबंधित अधिकारों को स्पष्ट और सरल भाषा में जहां तक संभव हो निर्धारित कर सकती हैं। नियम और शर्तों में परिवर्तन 0 हम निम्नलिखित में से किसी एक या अधिक चैनलों के माध्यम से नियम और स्थिति के शुल्कों के बारे में बताएंगे: • खाता विवरण/ • पास बुक • एटीएम • प्रत्येक शाखा में नोटिस बोर्ड • इंटरनेट, ईमेल और इंटरनेट साइट के साथ • अखबार • एसएमएस। आम तौर पर, एक महीने का नोटिस देकर परिवर्तन आगामी प्रभाव से किए जाएंगे। 0 यदि हमने बिना सूचना के कोई संशोधन किया है, तो हम 30 दिनों के भीतर परिवर्तन की रिपोर्ट करेंगे। यदि इस तरह के बदलाव में कमी है, तो 60 दिनों के भीतर और बिना किसी सूचना के खाता बंद कर सकते हैं या इसे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क या ब्याज के बदल सकते हैं। 0 नियम और शर्तों में कोई भी परिवर्तन होने पर हम तुरंत अपनी वेबसाइट पर अपडेट करेंगे। 0 अनुरोध किए जाने पर, हम नए नियमों और शर्तों की एक प्रति या परिवर्तनों का सारांश प्रदान करेंगे

Or

A passport size photograph, proof of identity and proof of address are required for opening an account in bank. For 'proof of identity' any of following documents can be submitted. These documents are known as 'officially valid documents (OVD)' for 'proof of identity'. • Passport • Driving license • Voter's Identity Card • PAN card • Aadhar Card issued by Unique Identification Authority of India • National Rural Employment Guarantee Act Job Card. If document submitted by customer for 'proof of identity' also has address therein, there is no need of any other document for 'proof of addresses. Otherwise another officially valid document containing address required to be submitted. A simplified procedure may be applied by bankers for opening a normal account in cases where no officially valid document for proof of identity, as mentioned herein earlier, is available with the customer. For this a copy of any one of documents mentioned below serve the purpose of 'proof of identity'. • Identity Card having photograph of the holder, issued by Central/ State Government Departments, Statutory/Regulatory Authorities, Public Sector Undertakings, Scheduled Commercial Banks and Public Financial Institutions. • A letter issued by a gazetted officer with the attested photograph of the person desirous of opening the account. Anyone of the documents stated below may be submitted for the proof of address. • Electricity bill, telephone bill, postpaid mobile phone bill, piped gas bill, water bill pertaining to the period not older than 2 months.(any one is sufficient) • Property or Municipal Tax Receipt. • Statement of Account, containing address of account holder, of savings account maintained in any bank or post office. •

<p>Pension charge orders or circle of relatives pension payment orders issued by using Government Departments or Public Sector Undertakings to their retired employees, furnished these documents contain the deal with of the retired employee. • Letter of allotment of accommodation issued by State or Central Government departments, statutory or regulatory bodies and public sector undertakings, scheduled industrial banks, economic institutions and indexed companies, to their employees. Leave and license agreements with such employers shelling out legit lodging also are Business Correspondent and Business Facilitator acceptable. • Letters issued via a foreign embassy or mission in India, or files issued via Government departments of overseas jurisdiction</p> <p>बैंक में खाता खोलने के लिए एक पासपोर्ट साइज फोटो, पहचान पत्र और पते के प्रमाण की जरूरत होती है। 'पहचान के प्रमाण' के लिए निम्नलिखित में से कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत किया जा सकता है। इन दस्तावेजों को 'पहचान के प्रमाण' के लिए 'आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज (ओवीडी)' के रूप में जाना जाता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> • पासपोर्ट • ड्राइविंग लाइसेंस • मतदाता पहचान पत्र • पैन कार्ड • भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा जारी आधार कार्ड • राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम जॉब कार्ड। यदि ग्राहक द्वारा 'पहचान के प्रमाण' के लिए प्रस्तुत दस्तावेज़ में पता भी है, तो 'पते के प्रमाण' के लिए किसी अन्य दस्तावेज़ की आवश्यकता नहीं है। अन्यथा एक अन्य आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज जिसमें पता होना आवश्यक है, प्रस्तुत किया जाना है। ऐसे मामलों में बैंकों द्वारा एक सामान्य खाता खोलने के लिए एक सरलीकृत प्रक्रिया लागू की जा सकती है, जहां पहचान के प्रमाण के लिए कोई आधिकारिक वैध दस्तावेज, जैसा कि यहां पहले उल्लेख किया गया है, ग्राहक के पास उपलब्ध नहीं है। इसके लिए नीचे दिए गए दस्तावेजों में से किसी एक की प्रति 'पहचान के प्रमाण' के उद्देश्य को पूरा करती है। • केंद्र/राज्य सरकार के विभागों, वैधानिक/नियामक प्राधिकरणों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों द्वारा जारी धारक की तस्वीर वाला पहचान पत्र। • खाता खोलने के इच्छुक व्यक्ति के सत्यापित फोटो के साथ राजपत्रित अधिकारी द्वारा जारी पत्र। • पते के प्रमाण के लिए नीचे दिए गए दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज जमा किया जा सकता है। • बिजली बिल, टेलीफोन बिल, पोस्टपेड मोबाइल फोन बिल, पाइपड गैस बिल, पानी का बिल जो 2 महीने से अधिक पुराना न हो। (कोई एक पर्याप्त है) • संपत्ति या नगरपालिका कर रसीद। • खाते का विवरण, जिसमें खाता धारक का पता हो, किसी भी बैंक या डाकघर में रखे गए बचत खाते का विवरण। • सरकारी विभागों या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा उनके सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जारी किए गए पेंशन प्रभार आदेश या रिश्तेदारों के सर्कल पेंशन भुगतान आदेश, प्रस्तुत इन दस्तावेजों में सेवानिवृत्त कर्मचारी के पते शामिल हैं। • राज्य या केंद्र सरकार के विभागों, वैधानिक या नियामक निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, अनुसूचित औद्योगिक बैंकों, आर्थिक संस्थानों और अनुक्रमित कंपनियों द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किए गए आवास के आवंटन का पत्र। ऐसे नियोक्ताओं के साथ लीव और लाइसेंस समझौते जो वैध आवास प्रदान करते हैं, व्यवसाय प्रतिनिधि और व्यवसाय सुविधाकर्ता भी स्वीकार्य हैं। • भारत में विदेशी दूतावास या मिशन के माध्यम से जारी किए गए
--

